निर्देश: खाली जगहों को भरिए। **(1×1 = 1)**

21. अ) 'बिहारी' _____ काल का प्रतिनिधि कवि है।
(वीरगाथा काल, आदिकाल, रीतिकाल, आधुनिक काल)

आ) 'कबीर की भाषा सधुक्कड़ी है' यह _____ का कथन है।
(आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, नागार्जुन, दिनकर)

इ) इनमें छायावादी कवि _____ है।
(उदयशंकर भट्ट, अज्ञेय, धूमिल, सुमित्रानंदन पंत)

ई) 'धर्मवीर भारती' _____ सप्तक के कवि हैं।
(पहला, दूसरा, तीसरा, चौथा)

निर्देश: निम्नलिखित प्रश्नों के वस्तुनिष्ठ उत्तर लिखिए। **(2×1 = 2)**

22. अ) 'रात में हारमोनियम' किसके द्वारा रचित कविता संग्रह है ?

आ) निराला का पूरा नाम क्या है ?

इ) 'हिमाद्रि तुंग श्रृंग से' किसकी कविता है ?

ई) दिनकर द्वारा रचित कविता का नाम क्या है ?

23. अ) 'रतिनाथ की चाची' किसकी रचना है ?

आ) पाषाणी प्रतिमा किसकी है ?

इ) भूमिजा के पुत्रों का नाम क्या-क्या है ?

ई) भूमिजा में वर्णित महाविकट राक्षसी कौन है ?

निर्देश: निम्न लिखित काव्य-खंड पढ़कर उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर **एक-एक** शब्द में लिखिए। **(1×1 = 1)**

24. "तरल आकांक्षा से है भरा
सो रहा आशा का आह्लाद।"

अ) यह काव्यांश किस रचना से लिया गया है ?

आ) प्रस्तुत कथन किसका है ?

इ) श्रोता कौन है ?

ई) इसमें कौनसा भाव व्यक्त हुआ है ?

Reg. No.: .....

Name: .....

GOVT. BRENNEN COLLEGE CENTRAL LIBRARY THALASSERY

K15U 0028

III Semester B.A. Degree (CCSS-Supple./Imp.) Examination, November 2015
CORE COURSE IN HINDI
3B05 HIN : Trends in Hindi Poetry
(2013 & Earlier Admissions)

Time : 3 Hours Max. Weightage : 30

निर्देश: किसी **एक** अवतरण की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(1×2 = 2)**

1. पग नूपुर औ पहुँची करकंजनि, मंजु बनी मनिमाल हिये।
नवनील कलेवर पीत झँगा झलकैं, पुलकैं नृप गोद लिये।

2. कस्तूरी कुंडलि बसै मृग ढूँढे बन माँहि
ऐसे घटि घटि राम है, दुनिया देखै नांहिं।।

निर्देश: किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2×2 = 4)**

3. आँखें अलियों सी
किस मधु की गलियों में फँसी
बन्द कर पाँखें
पी रही हैं मधु मौन
अथवा सोयी कमल कोरकों में ?

4. मेरी स्वन भरी पलकों पर
मेरे गीत-भरे होंठों पर
मेरी दर्द-भरी आत्मा पर
स्वप्न नहीं अब
गीत नहीं अब
दर्द नहीं अब
एक पर्त ठण्डे लोहे की।

5. प्रथम रश्मि का आना रंगिणि,
   तूने कैसे पहचाना ?
   कहाँ - कहाँ हे बाल - विहंगिनि
   पाया यह स्वर्गिक गाना।

6. हज़ारों-लाखों छुपती हैं गर्भ के अंधेरे में
   इस दुनिया में जन्म लेने से इंकार करती हुई
   वहाँ भी खोज लेनी हैं उन्हें भेदिया ध्वनि तरंगें
   वहँ भी भ्रूण में उतरती है इत्यारी कटार

निर्देश: किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2×2 = 4)**

7. कौन तुम ? संसृति जलनिधि तीर
   तरंगों से फेंकी मणि एक,
   कर रहे निर्जन का चुपचाप
   प्रभा की धारा से अभिषेक

8. नित्य यौवन छवि से ही दीप्त
   विश्व की करुण कामना मूर्ति;
   स्पर्श के आकर्षण से पूर्ण
   प्रकट करती ज्यों जड़ में स्फूर्ति।

9. क्या कहूँ , क्या हूँ में उद्‌भ्रान्त ?
   विवर में नील गगन के आज
   वायु की भटकी एक तरंग
   शून्यता का उजड़ा-सा

10. पुरातनता का यह निर्मोक
    सहन करती न प्रकृति पल एक
    नित्य नूतनता का आनंद
    किये है परिवर्तन में टेक।

निर्देश: किन्हीं **दो** अवतरणों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए। **(2×2 = 4)**

11. आस पास के ग्राम निगम देहात
    उस दुष्टा ने डाले सभी उजाड़।
    लगा हुआ है कंकालों का ढेर
    राम देखना दिन में यह अन्धेर।

12. महामूक हो गया वृद्ध वट वृक्ष
    जटा-जाल में सुलग उठेगी आग
    कौन उसे पाएगा अभी संभाल
    झुयसं न जाएँ पीपल के नव पर्ण-

13. सूनी-सूनी तमसा की तट भूमि-
    महाकाल का निर्मम क्रीड़ा क्षेत्र .....
    आज हुआ था रामकथा का अन्त !
    खड़े रह गए सारी रात महर्षि .....

14. भग्न दीपिका, सूखी वाती और
    चिर अवहेलित कुटिया निर्जन प्रान्त
    स्नेह दान का यह अद्‌भुत वृत्तान्त
    सुन-सुन पुलकित होगा सारा विश्व।

निर्देश: किसी **एक** कविता की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए। **(1×4 = 4)**

15. प्रथम रश्मि का आना

16. औरतें

निर्देश : किसी **एक** प्रश्न का विस्तृत उत्तर लिखिए : **(1×4 = 4)**

17. भूमिजा में अहल्या मोदा का वर्णन नागार्जुन ने कैसे किया है ? विस्तार से लिखिए।

18. भूमिजा का मतलब क्या है ? इस प्रबन्ध काव्य का नाम क्यों ऐसा पड़ा ?

निर्देश: किसी **एक** प्रश्न का विस्तृत उत्तर लिखिए। **(1×4 = 4)**

19. कामायनी के श्रद्धा सर्ग की प्राकृतिक सुषमा का वर्णन कीजिए।

20. श्रद्धा सर्ग की विशेषता क्या है ?